PUBLICATION NAME :	**Rajasthan Patrika**
EDITION :	**Ahmedabad**
DATE :	**09/10/2023**
PAGE :	**2**

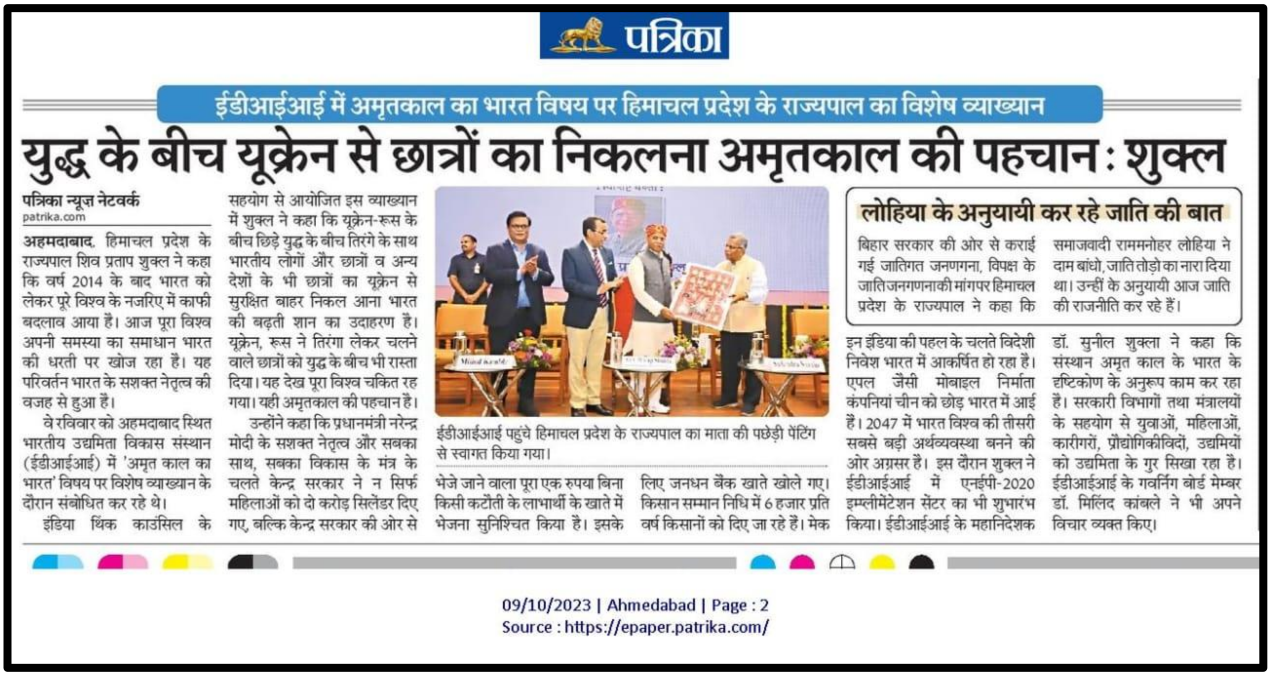

पत्रिका

ईडीआईआई में अमृतकाल का भारत विषय पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का विशेष व्याख्यान

युद्ध के बीच यूक्रेन से छात्रों का निकलना अमृतकाल की पहचान : शुक्ल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद भारत को लेकर पूरे विश्व के नजरिए में काफी बदलाव आया है। आज पूरा विश्व अपनी समस्या का समाधान भारत की धरती पर खोज रहा है। यह परिवर्तन भारत के सशक्त नेतृत्व की वजह से हुआ है।

वे रविवार को अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) में 'अमृत काल का भारत' विषय पर विशेष व्याख्यान के दौरान संबोधित कर रहे थे।

इंडिया थिंक काउंसिल के सहयोग से आयोजित इस व्याख्यान में शुक्ल ने कहा कि यूक्रेन-रूस के बीच छिड़े युद्ध के बीच तिरंगे के साथ भारतीय लोगों और छात्रों व अन्य देशों के भी छात्रों का यूक्रेन से सुरक्षित बाहर निकल आना भारत की बढ़ती शान का उदाहरण है। यूक्रेन, रूस ने तिरंगा लेकर चलने वाले छात्रों को युद्ध के बीच भी रास्ता दिया। यह देख पूरा विश्व चकित रह गया। यही अमृतकाल की पहचान है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के चलते केन्द्र सरकार ने न सिर्फ महिलाओं को दो करोड़ सिलेंडर दिए गए, बल्कि केन्द्र सरकार की ओर से भेजे जाने वाला पूरा एक रुपया बिना किसी कटौती के लाभार्थी के खाते में भेजना सुनिश्चित किया है। इसके लिए जनधन बैंक खाते खोले गए। किसान सम्मान निधि में 6 हजार प्रति वर्ष किसानों को दिए जा रहे हैं। मेक इन इंडिया की पहल के चलते विदेशी निवेश भारत में आकर्षित हो रहा है। एपल जैसी मोबाइल निर्माता कंपनियां चीन को छोड़ भारत में आई हैं। 2047 में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस दौरान शुक्ल ने ईडीआईआई में एनईपी-2020 इम्प्लीमेंटेशन सेंटर का भी शुभारंभ किया। ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि संस्थान अमृत काल के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप काम कर रहा है। सरकारी विभागों तथा मंत्रालयों के सहयोग से युवाओं, महिलाओं, कारीगरों, प्रौद्योगिकीविदों, उद्यमियों को उद्यमिता के गुर सिखा रहा है। ईडीआईआई के गवर्निंग बोर्ड मेम्बर डॉ. मिलिंद कांबले ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ईडीआईआई पहुंचे हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का माता की पछेड़ी पेंटिंग से स्वागत किया गया।

लोहिया के अनुयायी कर रहे जाति की बात

बिहार सरकार की ओर से कराई गई जातिगत जनणगना, विपक्ष के जाति जनगणना की मांग पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने कहा कि समाजवादी राममनोहर लोहिया ने दाम बांधो, जाति तोड़ो का नारा दिया था। उन्हीं के अनुयायी आज जाति की राजनीति कर रहे हैं।

09/10/2023 | Ahmedabad | Page : 2
Source : https://epaper.patrika.com/